No. of Printed Pages : 4

BSKC–111

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.सी.-111 : वैदिक साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मंत्रों की व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(i) अग्निना रयिमश्नवत्पोषमेव दिवेदिवे।
यशसं वीरवत्तमम्॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ii) यस्मिन्नृचः साम यंजूषि यस्मिन् प्रतिष्ठिता रथनाभाविवाराः।

यस्मिंश्चित्तं सर्वमोतं प्रजानां तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु॥

(iii) अनुव्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भवतु संमनाः।

जाया पत्ये मधुवतीं वाचं वदतु शन्तिवाम्॥

(iv) द्वेष्टि श्वश्रूरप जाया रुणद्धि न नाथितो विन्दते मर्डितारम्।

अश्वस्येव जरतो वस्न्यस्य नाहं विन्दामि कितवस्य भोगम्।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :

2×10=20

(i) ब्रह्मा देवानां प्रथमः सम्बभूव विश्वस्य कर्त्ता भुवनस्य गोप्ता।

स ब्रह्मविद्यां सर्वविद्याप्रतिष्ठामथर्वाय ज्येष्ठपुत्राय प्राह॥

(ii) यदा लेलायते ह्यर्चिः सभिद्धे हत्यवाहने।

तदाज्यभागावन्तरेणाहुतीः प्रतिपादयेत्॥

(iii) एतस्माज्जायते प्राणो मनः सर्वेन्द्रियाणि च।

खं वायुर्ज्योतिरापः पृथिवी विश्वस्य धारिणी॥

(iv) नायमात्मा प्रवचनेन लभ्यो न मेधया न बहुना श्रुतेन।

यमेवैष वृणुते तेन लभ्यस्तस्यैष आत्मा विवृणुते तनूं स्वाम्॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

खण्ड-ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$2 \times 20 = 40$

(i) अग्नि सूक्त के परिप्रेक्ष्य में अग्नि देवता का स्वरूप लिखिए।

(ii) भूमि सूक्त में पर्यावरण संरक्षण और स्थिता के संदर्भों की विवेचना कीजिए।

(iii) शिवसंकल्प सूक्त के आधार पर मन के गुण तथा संकल्पित मन के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का उल्लेख कीजिए।

(iv) मुण्डकोपनिषद् में ब्रह्मा तथा उनके द्वारा सृष्टि की उत्पत्ति का वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

खण्ड-ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 10 = 20$

(i) वैदिक तथा लौकिक शब्दरूपों में भिन्नता

(ii) पद-पाठ के कोई **दस** नियम

(iii) उदात्त स्वर

(iv) वैदिक तुमुन् प्रत्यय

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com